अनुक्रमणिका

क्रम. सं.	अध्याय	पृष्ठ संख्या
1.	भाषा और बोली (Language and Dialect)	7
2.	वर्णमाला और मात्राएँ (Alphabet and Symbols of Vowles)	12
3.	शब्द और वाक्य (Words and Sentences)	17
4.	संज्ञा (नाम वाले शब्द) (Noun)	21
5.	सर्वनाम (नाम के स्थान पर) (Pronoun)	26
6.	विशेषण (विशेषता बताने वाले शब्द) (Adjective)	31
7.	क्रिया (काम वाले शब्द) (Verb)	34
8.	लिंग (स्त्रीलिंग-पुल्लिग) (Gender)	37
9.	वचन (एक और अनेक) (Numbers)	41
10.	विलोम (विपरीतार्थक) शब्द (Antonyms)	46
11.	पर्यायवाची (समान अर्थ वाले) शब्द (Synonyms)	50
12.	अनेक शब्दों के लिए एक शब्द (One Word Substitutions)	54
13.	गिनती, दिन और महीने (Counting, Days and Months)	58
14.	रचनात्मक लेखन (Creative Writing)	62
15.	पत्र-लेखन (Letter Writing)	68
16.	श्रवण कौशल (गतिविधि) (Listening Skill Activities)	73
	स्वमूल्यांकन पत्र-1	77-78
	स्वमूल्यांकन पत्र-2	79-80

EDITONE INTERNATIONAL

अध्याय 1

भाषा और बोली
(Language and Dialect)

पढ़िए और समझिए

बच्चो, हमने पिछली कक्षा में पढ़ा कि हम अपने विचार अथवा बातों को जिस साधन या माध्यम से दूसरों तक पहुँचाते हैं, उस माध्यम को भाषा कहते हैं। हिंदी हमारी राजभाषा है। भाषा के मुख्यत: दो रूप होते हैं–

भाषा के रूप

1. मौखिक
2. लिखित

1. **मौखिक**– दिए गए चित्र में शिक्षिका छात्रों को बोलकर खेल के निर्देश दे रही हैं और छात्र सुनकर समझ रहे हैं। भाषा के इस रूप को मौखिक भाषा कहते हैं। मौखिक का अर्थ है– मुख से निकला हुआ।

2. **लिखित**– इस चित्र में शिक्षिका बोर्ड पर कुछ वाक्य लिखकर छात्रों से प्रश्न पूछ रही हैं एवं छात्र उसे पढ़कर उत्तर दे रहे हैं। भाषा के इस रूप को लिखित भाषा कहते हैं। लिखित का अर्थ है– लिखा हुआ।

FULLTONE INTERNATIONAL

उपरोक्त चित्रों से हमने सीखा कि हम सब अपने मन की बात और विचार बोलकर, सुनकर, लिखकर या पढ़कर ही समझा पाते हैं। जिन्हें भाषा के कौशल कहते हैं।

बच्चो! कभी-कभी हम अपनी बात या विचारों को संकेतों के द्‌वारा भी व्यक्त करते हैं। इसे **सांकेतिक** भाषा कहते हैं; जैसे-

आपने देखा, इस चित्र में ट्रैफिक पुलिस वाला **सांकेतिक** भाषा के माध्यम से यातायात के नियमों को बता रहा है।

क्रिकेट मैच में अंपायर भी सांकेतिक भाषा के माध्यम से खिलाड़ियों को निर्देश दे रहे हैं।

बोली

बच्चो! हमारी तरह जीव-जंतु भी आपस में बातें करते हैं। अपनी बात और विचारों को दूसरों तक पहुँचाने के लिए उनकी भी अपनी-अपनी बोलियाँ होती हैं। आइए देखें, किसकी कौन-सी बोली है?

कुत्ता

बिल्ली

चिड़िया

मेंढक

बकरी

कौआ

कोयल

चूहा

मुर्गा

गधा

कबूतर

मोर

बतख

आइए, पुनरावृति करें

- भाषा हमारी बातों एवं विचारों को दूसरों तक पहुँचाती है।
- भाषा के दो रूप- मौखिक और लिखित होते हैं।
- भाषा के चार कौशल हैं- बोलना, लिखना, सुनना और पढ़ना।
- जीव-जंतुओं की आवाज़ों को बोली कहते हैं।

अध्यापन संकेत शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को भाषा के मौखिक, लिखित तथा सांकेतिक रूपों के बारे में बताएँ तथा उनका अभ्यास कराएँ।

EDITONE INTERNATIONAL

अभ्यास कार्य

मौखिक कार्य

Speaking Skills

दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) आप अपने मन की बात दूसरों तक कैसे पहुँचाते हैं?

(ख) भाषा के कितने रूप हैं?

(ग) मौखिक भाषा किसे कहते हैं?

लेखन कार्य

Writing Skills

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) भाषा किसे कहते हैं?

....

(ख) बोली किसे कहते हैं?

....

(ग) भाषा के प्रकार को सोदाहरण समझाइए।

....

(घ) भाषा के चार कौशल कौन-कौन से हैं? लिखिए।

....

सोचें-विचारें

Critical Thinking

2. भाषा और बोली में क्या अंतर है? सोचकर बताइए।

EDITONE INTERNATIONAL

3. अपने आस-पड़ोस के किन्हीं पाँच घरों में जाकर पता लगाइए और उसकी सूची बनाइए कि वहाँ कौन-कौन सी भाषाएँ बोली जाती हैं?

4. अध्यापिका कक्षा को दो-दो के समूह में विभाजित करें। अब किसी एक बच्चे को संकेत के माध्यम से अपनी बात दूसरे समूह तक पहुँचाने के लिए कहें। दूसरे समूह के बच्चे संकेत के द्वारा समझाई गई बात को समझने का प्रयास करें और बताएँ कि उस बच्चे ने संकेत में क्या बात कही? यह गतिविधि तब तक दोहराएँ, जब तक समूह के सभी बच्चों की बारी न आ जाए। जो समूह अधिक-से-अधिक संकेतों को समझकर बताएगा, वही समूह विजयी कहलाएगा।

समूह (अ)	समूह (ब)
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....

विजयी समूह का नाम लिखें

....

EDITONE INTERNATIONAL

प्रेरणादायक मूल्य

कौआ और कोयल दोनों काले रंग के होते हैं परंतु कोयल की मीठी बोली के कारण सभी उसे प्यार करते हैं। इसी तरह हमें भी सदा मीठे बोल बोलने चाहिए।

वर्णमाला एवं मात्राएँ
(Alphabet and Symbols of Vowels)

पढ़िए और समझिए

भाषा की सबसे छोटी इकाई 'वर्ण' है। वर्ण वह मूल ध्वनि होती है, जिसके और टुकड़े न किए जा सकें।

वर्ण
- 1. स्वर
- 2. व्यंजन

स्वर (Vowels) : स्वतंत्र रूप से उच्चारण की जाने वाली ध्वनियों को स्वर कहते हैं। हिंदी में ग्यारह (11) स्वर होते हैं

अ आ इ ई उ ऊ ऋ ए ऐ ओ औ

अनुस्वार – अं (ं) जैसे – झंडा, कंगन, बंदर, पतंग तथा जंगल इत्यादि।

अनुनासिक – अँ (ँ) जैसे – गाँव, छाँव, चाँद, रोटियाँ इत्यादि।

विसर्ग – अः(:) जैसे – प्रातः, प्रायः, पुनः, फलतः तथा संभवतः इत्यादि।

व्यंजन (Consonants) : स्वरों की सहायता से जिन ध्वनियों का उच्चारण किया जाता है उन्हें व्यंजन कहते हैं।

हिंदी वर्णमाला में व्यंजनों की संख्या 33 होती है।

वर्णों को जब हम एक व्यवस्थित या निश्चित क्रम में लगाते हैं तो यह क्रम वर्णमाला कहलाता है।

EDITIONE INTERNATIONAL

वर्ण का नाम	व्यंजन				
क वर्ग	क	ख	ग	घ	ङ
च वर्ग	च	छ	ज	झ	ञ
ट वर्ग	ट	ठ	ड	ढ	ण
त वर्ग	त	थ	द	ध	न
प वर्ग	प	फ	ब	भ	म
अंत:स्थ	य	र	ल	व	
ऊष्म	श	ष	स	ह	
संयुक्त व्यंजन	क्ष	त्र	ज्ञ	श्र	
आगत वर्ण	ऑ	ज़	फ़		

अं (अनुस्वार) तथा **अः** (विसर्ग) ध्वनियाँ अयोगवाह कहलाती हैं।

हिंदी वर्णमाला में अयोगवाह का स्थान स्वर के बाद और व्यंजन से पहले रखा गया है।

आगत ध्वनियाँ

हिंदी भाषा में उर्दू और अंग्रेज़ी भाषा का प्रभाव होने के कारण कुछ ध्वनियों को इन भाषाओं से उनके मूल रूप में ले लिया गया है; जैसे–

उर्दू की ध्वनियाँ – ज़ तथा फ़

जैसे – बर्फ़, दरवाज़ा आदि।

अंग्रेज़ी की ध्वनियाँ – ऑ

जैसे – कॉफी, डॉक्टर आदि।

EDITONE INTERNATIONAL

मात्राएँ (Vowel Signs)

शब्दों की रचना के लिए व्यंजन के साथ लगने वाले **स्वरों के चिह्नों को मात्रा कहते हैं।**

हिंदी भाषा में स्वर और मात्राएँ

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ	ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः
	ा	ि	ी	ु	ू	ृ	े	ै	ो	ौ	ं	ः

व्यंजनों के साथ स्वरों की मात्राओं को जोड़कर सार्थक शब्द बनाए जाते हैं।

क्	+	अ	–	क	–	कबूतर
क्	+	आ	–	का	–	कान
क्	+	इ	–	कि	–	किताब
क्	+	ई	–	की	–	कील
क्	+	उ	–	कु	–	कुम्हार
क्	+	ऊ	–	कू	–	कूदना
क्	+	ऋ	–	कृ	–	कृपाण

आइए, पुनरावृति करें

- ध्वनि के लिखित रूप को वर्ण कहा जाता है।
- वर्णों के क्रमबद्ध समूह को वर्णमाला कहते हैं।
- हिंदी भाषा में कुल 11 स्वर तथा 33 व्यंजन होते हैं।
- स्वरों के विशेष चिह्नों को मात्रा कहते हैं।

अध्यापन संकेत शिक्षक/शिक्षिका कक्षा में बच्चों को वर्णमाला से अवगत कराएँ साथ ही शब्दों में लगने वाली मात्राओं का अभ्यास कराएँ।

अभ्यास कार्य

मौखिक कार्य

Speaking Skills

दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) अनुस्वार के कोई पाँच उदाहरण लिखिए।

(ख) हिंदी भाषा में स्वर तथा व्यंजन होते हैं?

लेखन कार्य

Writing Skills

1. **दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**

   (क) स्वरों के चिह्नों को क्या कहा जाता है?

   (ख) कृपाण के 'क' में किसकी मात्रा लगी है। बताइए।

2. **सही व्यंजन के प्रयोग से रिक्त स्थान भरिए।**

क	☐	ग	☐	☐
☐	☐	ज	☐	☐
☐	ठ	☐	ढ	ण
त	☐	☐	ध	☐

3. **दी गई पुस्तक में लिखे स्वर तथा व्यंजन को अलग-अलग करके लिखिए।**

ए	क	ऊ	प	स	आ
र	अ	ई	औ	छ	च
	त	उ	ऐ	ओ	ल
	ठ	फ	ह	भ	इ

स्वर		व्यंजन	
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....

EDITONE INTERNATIONAL

4. **दिए गए चित्रों को देखकर उनके नाम लिखिए और बताइए कि उनमें किन मात्राओं का प्रयोग हुआ है-**

....

....

....

....

....

....

सोचें-विचारें

Critical Thinking

5. **'क' व्यंजन से बनने वाले स्वर मात्रा युक्त वर्णों को बताइए।**

खेल-खेल में

Brain Storming Activity

6. **सही मिलान कीजिए।**

(क)	आ	(i)	ो
(ख)	इ	(ii)	े
(ग)	ई	(iii)	ृ
(घ)	ऋ	(iv)	ी
(ङ)	ए	(v)	ि
(च)	ओ	(vi)	ा

प्रेरणादायक मूल्य

स्वरों का व्यंजन से मेल होने पर उसका रूप बदल जाता है, वैसे ही अच्छे लोगों की संगति से मनुष्य का चरित्र बदल जाता है।

EDITONE INTERNATIONAL